

**स्मरणीय तथ्य :**

**भारत में लघु व्यवसाय की भूमिका:**

**औद्योगिक परिदृश्य में योगदान:** लघु उद्योग (एसएसआई) भारत के औद्योगिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसमें सभी औद्योगिक इकाइयों का 95% हिस्सा शामिल है।

**आर्थिक योगदान:** ये देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जो सकल औद्योगिक मूल्य वर्धन का 40% तक योगदान देता है।

**निर्यात योगदान:** एसएसआई निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो भारत से कुल निर्यात का 45% के लिए जिम्मेदार हैं।

**रोजगार सृजन:** ये उद्योग भारत में कृषि के बाद दूसरे सबसे बड़े नियोक्ता हैं, जो बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं।

**उत्पाद विविधता:** एसएसआई विभिन्न प्रकार के उत्पादों का निर्माण करते हैं जो अर्थव्यवस्था की विविध आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

**क्षेत्रीय विकास:** वे स्थानीय संसाधनों और स्वदेशी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके संतुलित क्षेत्रीय विकास में योगदान करते हैं।

**उद्यमिता के अवसर:** एसएसआई उत्पादन की कम लागत, त्वरित निर्णय लेने और अनुकूलन क्षमता जैसे कारकों के कारण उद्यमिता के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं।

वे विशिष्ट मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करते हुए अनुकूलित उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं।

**ग्रामीण भारत में लघु व्यवसाय की भूमिका:**

**विविध आय स्रोत:** लघु व्यवसाय इकाइयाँ कई आय स्रोत प्रदान करती हैं, विशेष रूप से गैर-कृषि गतिविधियों में।

**ग्रामीण रोजगार:** वे ग्रामीण रोजगार के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिससे पारंपरिक कारीगरों और समाज के कमजोर वर्गों को लाभ होता है।

**लघु उद्योगों को सरकारी सहायता:**

**राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई):** गांव के छोटे व्यवसायों को वित्तीय सहायता और ऋण सुविधाएं प्रदान करता है।

**ग्रामीण लघु व्यवसाय विकास केंद्र:** ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों के पोषण और विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

**राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी):** छोटे उद्योगों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और विपणन सहायता जैसी कई सेवाएँ प्रदान करता है।

**भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI):** छोटे उद्योगों के विकास के लिए वित्तीय सहायता और सहायता प्रदान करता है।

**असंगठित क्षेत्र में उद्यमों के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीईयूएस):** असंगठित क्षेत्र में उद्यमों की स्थिति में सुधार करने के लिए काम करता है, जिसमें कई छोटे व्यवसाय शामिल हैं।

**ग्रामीण और महिला उद्यमिता विकास (आरडब्ल्यूई):** आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर ग्रामीण और महिला उद्यमियों के विकास का समर्थन करता है।

**वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (WASME):** यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों को नेटवर्किंग और वैश्विक बाजारों तक पहुंचने में सहायता करता है।

**पारंपरिक उद्योगों के पुनर्जनन के लिए निधि की योजना (एसएफयूआरएम):** इसका उद्देश्य पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करना है, अक्सर छोटे पैमाने पर उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाना है।

**जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी):** जिला स्तर पर सरकारी योजनाओं की सूचना प्रसार, प्रशिक्षण और सुविधा जैसी विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है।

संक्षेप में, लघु व्यवसाय, विशेष रूप से लघु उद्योग, भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे औद्योगिक उत्पादन, निर्यात और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, ये व्यवसाय आय स्रोतों में विविधता लाने और पारंपरिक कारीगरों और समाज के वंचित वर्गों को आजीविका प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। सरकार, विभिन्न संस्थानों और योजनाओं के माध्यम से, देश की आर्थिक प्रगति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, छोटे उद्योगों के विकास को सक्रिय रूप से समर्थन और बढ़ावा देती है।

**Things to Remember**

**Role of Small Business in India:**

**Contribution to Industrial Scenario:** Small Scale Industries (SSIs) play a pivotal role in India's industrial scenario, comprising 95% of all industrial units.

**Economic Contribution:** They contribute significantly to the country's economy, accounting for up to 40% of the gross industrial value added.

**Export Contribution:** SSIs play a crucial role in boosting exports, responsible for 45% of the total exports from India.

**Employment Generation:** These industries are

the second-largest employers in India after agriculture, providing jobs to a vast number of people.

**Product Diversity:** SSIs manufacture a wide variety of products that cater to the diverse needs of the economy.

**Regional Development:** They contribute to balanced regional development by utilizing local resources and indigenous technology.

**Entrepreneurship Opportunities:** SSIs provide ample opportunities for entrepreneurship due to factors like low cost of production, quick decision-making, and adaptability.

**Customized Production:** They are well-suited for customized production, meeting specific demands effectively.

#### **Role of Small Business in Rural India:**

**Diverse Income Sources:** Small business units offer multiple income sources, particularly in non-agricultural activities.

**Rural Employment:** They are crucial for rural employment, benefiting traditional artisans and weaker sections of society.

#### **Government Assistance to Small Industries:**

**National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD):** Provides financial support and credit facilities to rural small businesses.

**Rural Small Business Development Centre:** Focuses on nurturing and developing small businesses in rural areas.

**National Small Industries Corporation (NSIC):** Offers a range of services such as technical support, training, and marketing assistance to small industries.

**Small Industries Development Bank of India (SIDBI):** Provides financial aid and assistance for the development of small industries.

**National Commission for Enterprises in Unorganised Sector (NCEUS):** Works to improve the conditions of enterprises in the unorganized sector, which includes many small businesses.

**Rural and Women Entrepreneurship Development (RWE):** Supports the development of rural and women entrepreneurs, promoting economic empowerment.

**World Association for Small and Medium Enterprises (WASME):** An international organization that aids small and medium-sized enterprises in networking and accessing

global markets.

**Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries (SFURM):** Its objective is to revive traditional industries, often on a small scale, to make them competitive.

**District Industries Centre (DIC):** Provides various services like information dissemination, training, and facilitation of government schemes at the district level.

In summary, small business, particularly Small Scale Industries, plays a pivotal role in India's socio-economic development. They contribute significantly to industrial output, exports, and employment generation. In rural areas, these businesses are crucial for diversifying income sources and providing livelihoods to traditional artisans and disadvantaged sections of society. The government, through various institutions and schemes, actively supports and promotes the growth of small industries, recognizing their vital role in the country's economic progress.

### **बहुवैकल्पिक प्रश्न (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)**

1. लघु स्तरीय उद्योगों में विनियोग सीमा कितना है  
(a) एक करोड़ रुपये तक  
(b) दो करोड़ रुपये तक  
(c) तीन करोड़ रुपये तक  
(d) दस करोड़ रुपये तक

**What is the investment limit in small scale industries?**

- (a) Up to one crore rupees
- (b) Up to two crore rupees
- (c) Up to three crore rupees
- (d) Up to ten crore rupees

2. छोटे व्यवसाय क्या पैदा करने में सहायक है  
(a) अधिक रोजगार (b) आर्थिक मजबूती  
(c) उपरोक्त दोनों (d) भ्रष्टाचार

**What does small business help in producing?**

- (a) More employment
- (b) Economic strength
- (c) Both of the above
- (d) Corruption

3. कारीगरों को अवसर निम्न में से कौन प्रदान करता है  
(a) कंपनियां  
(b) दीर्घ स्तरीय व्यवसाय  
(c) लघु व्यवसाय

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

**Which of the following provides opportunities to artisans**

- (a) Companies
- (b) Long scale business
- (c) Small business
- (d) None of the above

4. अति लघु क्षेत्र में अधिकतम विनियोग सीमा है

- (a) एक लाख रुपये
- (b) दस लाख रुपये
- (c) पच्चीस लाख रुपये
- (d) एक करोड़ रुपये

**The maximum investment limit in very small industries is**

- (a) One lakh rupees
- (b) Ten lakh rupees
- (c) Twenty-five lakh rupees
- (d) One crore rupees

5. संतुलित क्षेत्रीय विकास में निम्न में से कौन सहायक है

- (a) दीर्घ स्तरीय व्यवसाय
- (b) लघु व्यवसाय
- (c) कंपनियां
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

**Which of the following is helpful in balanced regional development**

- (a) Long scale business
- (b) Small business
- (c) companies
- (d) None of the above

6. निम्न में से कौन सी लघु उद्योग की समस्या नहीं है

- (a) अपर्याप्त वित्त
- (b) प्रशिक्षित कर्मचारियों का अभाव
- (c) पुरानी प्रौद्योगिकी
- (d) स्थानीय मांग

**Which of the following is not a problem of small scale industries?**

- (a) Insufficient finance
- (b) Lack of trained employees
- (c) Old technology
- (d) Local demand

7. भारत में व्यावसायिक इकाईयों को मापने के लिए किस मापदण्ड का प्रयोग नहीं किया जाता ?

- (a) व्यवसाय में लगे लोगों की संख्या
- (b) व्यवसाय में पूँजी निवेश
- (c) उत्पादन की मात्रा
- (d) व्यवसाय में लगे शिक्षित लोगों की संख्या

**Which yardstick is not used to measure business units in India?**

- (a) Number of people engaged in business
- (b) Capital investment in business
- (c) Quantity of production
- (d) Number of educated people engaged in business

8. लघु उद्योगों के लिए कितनी वस्तुओं का आरक्षण किया गया है?

- (a) 800
- (b) 700
- (c) 900
- (d) 500

**How many items have been reserved for small scale industries?**

- (a) 800
- (b) 700
- (c) 900
- (d) 500

9. एकीकृत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए, NA-BARD की स्थापना सन् \_\_\_\_\_ में की गई।

- (a) 1982
- (b) 1985
- (c) 1984
- (d) 1986

**To promote integrated rural development, NABARD was established in the year \_\_\_\_\_.**

- (a) 1982
- (b) 1985
- (c) 1984
- (d) 1986

10. पूँजी के आन्तरिक स्रोत हैं जो निम्न से सृजन किए जाते हैं-

- (a) बाहर के लोग जैसे आपूर्तिकर्ता
- (b) वाणिज्यिक बैंकों से ऋण
- (c) अंशों का निर्गमन
- (d) व्यवसाय के भीतर

**There are internal sources of capital which are created from the following-**

- (a) Outside people like suppliers
- (b) Loans from commercial banks
- (c) Issue of shares
- (d) within the business

11. निम्न में से कौन लघु व्यवसाय में शामिल नहीं है?

- (a) स्त्रियों द्वारा चलाए गए उद्योग
- (b) कुटीर उद्योग
- (c) खादी और ग्रामीण उद्योग
- (d) दो करोड़ रुपये तक निवेश रखने वाले उद्योग

**Which of the following is not involved in small business?**

- (a) Industries run by women
- (b) Cottage industry
- (c) Khadi and rural industries
- (d) Industries with investment up to Rs 2 crore

12. निम्नलिखित में लघु उपक्रम की कौन-सी विशेषता नहीं

है ?

- (a) कार्य का असीमित क्षेत्र
- (b) स्वतन्त्र प्रबन्ध
- (c) श्रमिकों की प्रधानता
- (d) सीमित निवेश

**Which of the following is not a characteristic of small scale enterprise?**

- (a) Unlimited scope of work
- (b) Independent management
- (c) Dominance of workers
- (d) Limited investment

13. पूँजी विनियोग के आधार मान कर भारत में लघु व्यावसायिक इकाईयों को कितनी श्रेणियों में बाँटा जा सकता है?

- (a) तीन (b) चार
- (c) दो (d) पाँच

**On the basis of capital investment, small business units in India can be divided into how many categories?**

- (a) three (b) four
- (c) two (d) five

14. कुटीर उद्योग की कौन-सी विशेषता नहीं है ?

- (a) वस्तुओं के उत्पादन में विदेशी तकनीक का प्रयोग किया जाता है
- (b) इसका संगठन व्यक्तियों द्वारा अपने निजी संसाधनों से किया जाता है
- (c) इसमें सरल औजारों का प्रयोग किया जाता है
- (d) पूँजी विनियोग का छोटा आकार होता है।

**Which is not a characteristic of cottage industry?**

- (a) Foreign technology is used in the production of goods.
- (b) It is organized by individuals with their personal resources.
- (c) Simple tools are used in it
- (d) The size of capital investment is small.

15. भारत में लघु उद्योग औद्योगिक इकाईयों के कितने प्रतिशत है।

- (a) 95 (b) 92
- (c) 90 (d) 94

**What is the percentage of small scale industrial units in India?**

- (a) 95 (b) 92
- (c) 90 (d) 94

16. लघु उद्योगों को वित्त प्रदान करने वाली विशिष्ट वित्तीय संस्थान का नाम है।

- (a) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
- (b) आईएमएफ

- (c) विश्व बैंक
- (d) आर बी आई

**The name of the specific financial institution that provides finance to small industries is\_\_\_\_\_.**

- (a) Small Industries Development Bank of India(SIDBI)
- (b) IMF
- (c) World Bank
- (d) RBI

17. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की स्थापना किस वर्ष की गई।

- (a) 1988 (b) 1991
- (c) 1990 (d) 1992

**In which year was the Small Industries Development Bank of India (SIDBI) established?**

- (a) 1988 (b) 1991
- (c) 1990 (d) 1992

18. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक का मुख्यालय कहाँ है।

- (a) दिल्ली (b) लखनऊ
- (c) कोलकाता (d) मुंबई

**Where is the headquarter of Small Industries Development Bank of India (SIDBI) ?**

- (a) Delhi (b) Lucknow
- (c) Kolkata (d) Mumbai

19. ऐसे लघु उद्योग जिनका मुख्य कार्य निर्यात बढ़ाना या आधुनिकीकरण होता है उनके लिए संयंत्र एवं मशीनरी की स्थाई पूँजी में निवेश की सीमा क्या है।

- (a) 4 करोड़ (b) 6 करोड़
- (c) 5 करोड़ (d) 3 करोड़

**What is the limit of investment in fixed capital of plant and machinery for such small industries whose Primary work is to increase exports or modernization?**

- (a) 4 crores (b) 6 crores
- (c) 5 crores (d) 3 crores

20. लघु स्तरीय उद्योगों को किन-किन आंतरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

- (a) भुगतान में देरी
- (b) अप्रयाप्त ऋण
- (c) उनके उत्पादों की मांग का अभाव
- (d) उपरोक्त सभी

**What internal problems do small scale industries have to face?**

- (a) Delay of Payment
- (b) Insufficient credit



- (c) Lack of demand for their products
- (d) All of the above

21. उस संस्था का क्या नाम है जो जिला स्तर पर लघु उद्योगों के लिए प्रशासनिक रूप रेखा तैयार करती है।

- (a) उपभोक्ता संरक्षण कानून
- (b) राज्य वित्त निगम
- (c) जिला उद्योग केंद्र
- (d) उपरोक्त सभी

**What is the name of the organization which prepares the administrative framework for small scale industries at the district level?**

- (a) Consumer protection law
- (b) State Finance Corporation
- (c) District Industries Center
- (d) All of the above

22. ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्र की ओर प्रवासन रोकने में कौन ज्यादा सहायक है।

- (a) लघु एवं कुटीर उद्योग
- (b) बड़ी कंपनियां
- (c) सहकारी संस्थाएं
- (d) उपरोक्त कोई नहीं

**Which is more helpful in stopping migration from rural areas to urban areas?**

- (a) Small and Cottage Industries
- (b) Large companies
- (c) Co-operative institutions
- (d) None of the above

23. लघु उद्योगों में किस प्रकार के संसाधनों का उपयोग किया जाता है।

- (a) स्थानीय संसाधनों का
- (b) विदेशी संसाधनों का
- (c) दूसरे राज्यों के संसाधनों का
- (d) उपरोक्त सभी का

**What types of resources are used in small scale industries.**

- (a) Of local resources
- (b) Of foreign resources
- (c) Resources of other states
- (d) All of the above

24. लघु उद्योगों का महत्व भारत में इस कारण से ज्यादा है क्योंकि

- (a) यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अनुकूल होती है
- (b) यह कृषि पर जनसंख्या दबाव को कम करती है
- (c) इससे उद्योगों का विकेंद्रीकरण होता है
- (d) उपरोक्त सभी

**Importance of small scale industries is more**

**in India because**

- (a) It suits the rural economy
- (b) It reduces Population pressure on agriculture
- (c) It decentralizes industries
- (d) All of the above

25. कम तकनीक एवं कम वित्त की आवश्यकता किस प्रकार के उद्योगों की विशेषता है।

- (a) लघु उद्योग
- (b) वृहत उद्योग
- (c) सरकारी उद्योग
- (d) सहकारी उद्योग

**Which type of industries require less technology and less finance?**

- (a) Small scale industry
- (b) Large scale industry
- (c) Government industry
- (d) Co-operative industry

### बहुवैकल्पिक प्रश्नों का उत्तर (M C Q ANSWERS)

1 a	2 c	3 c	4 c	5 b	6 d
7 d	8 a	9 a	10 d	11 d	12 a
13 c	14 a	15 a	16 a	17 c	18 b
19 c	20 d	21 c	22 a	23 a	24 d
25 a					

### अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short Answer Questions)

1. निर्माणी लघु उद्योग से आप क्या समझते हैं?

**उत्तर:** ऐसे उद्योग जहां संयंत्र और मशीनरी में निवेश 25 लाख रुपये से अधिक है लेकिन 5 करोड़ रुपये से अधिक नहीं है, निर्माणी लघु उद्योग कहलाते हैं।

**What do you mean by manufacturing small scale industries?**

**Ans:** Industries where the investment in plant and machinery is more than Rs 25 lakh but does not exceed Rs 5 crore are called manufacturing small industries.

2. सेवाएँ प्रदान करने वाले लघु उद्योगों से आपका क्या तात्पर्य है?

**उत्तर:** वे लघु उद्योग जिनका उपकरणों में निवेश 10 लाख रुपये से अधिक परन्तु 2 करोड़ रुपये से अधिक न हो, सेवाएँ प्रदान करने वाले लघु उद्योग कहलाते हैं।

**What do you mean by small scale industries providing services?**

**Ans:** Those small scale industries whose investment in equipment is more than Rs 10 lakh but not more than Rs 2 crore are called small scale industries providing services.

3. कृषि के बाद भारत में मानव संसाधनों का उपयोग कर रोजगार सृजित करने वाला सबसे बड़ा क्षेत्र कौन सा है?

**उत्तर:** ग्रामीण एवं लघु उद्योग क्षेत्र कृषि के बाद भारत में सबसे ज्यादा रोजगार सृजित करने वाला क्षेत्र है।

**After agriculture, which is the biggest sector in India which creates employment by using human resources?**

**Ans:** Rural and small scale industries sector creates most employment in India after agriculture.

4. कुटीर उद्योगों की कोई दो विशेषताएँ बताइये।

**उत्तर:** इनका आयोजन व्यक्तियों द्वारा अपने निजी संसाधनों से किया जाता है।

आम तौर पर परिवार के सदस्यों के श्रम और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्रतिभा का उपयोग किया जाता है।

**Mention any two characteristics of cottage industries.**

**Ans:** These are organized by individuals with their personal resources.

Generally, labour of family members and locally available talent is used.

5. भारत में लघु व्यवसाय की भूमिका को चार बिन्दुओं की सहायता से समझाइये।

**उत्तर:** संतुलित क्षेत्रीय विकास प्राप्त करना  
रोजगार के अधिक अवसर पैदा करें  
उत्पादों की आपूर्ति करना  
देश का औद्योगिक विकास

**Explain the role of small business in India with the help of four points.**

**Ans:** Achieving balanced regional development  
Create more employment opportunities  
Supply products of need.  
Industrial development of the country

6. ग्रामीण भारत में लघु व्यवसाय की भूमिका को किन्हीं दो बिंदुओं में स्पष्ट करें।

**उत्तर:** अधिकतम रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।  
ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में प्रवास को रोकने में मदद करना।

**Explain the role of small business in rural India in any two points.**

**Ans:** To provide maximum employment opportunities.  
To help prevent migration from rural to urban

areas.

7. छोटे व्यवसाय की कोई चार समस्याएँ बताइये।

**उत्तर:** पर्याप्त वित्त की अनुपलब्धता  
कच्चा माल प्राप्त करने की समस्या  
प्रबंधकीय कौशल की कमी  
प्रतिभाशाली लोगों का आकर्षण कम होना.

**Mention any four problems of small business.**

**Ans:** Non-availability of adequate finance  
Problem of obtaining raw materials  
Lack of managerial skills  
Less attraction to talented people.

8. लघु उद्योगों की खराब सेहत के किन्हीं दो आंतरिक कारणों का उल्लेख करें।

**उत्तर:** कुशल एवं प्रशिक्षित कार्मिकों की कमी,  
प्रबंधन और विपणन कौशल का अभाव

**Mention any two internal reasons for the ill health of small scale industries.**

**Ans:** Lack of skilled and trained personnel.  
Lack of management and marketing skills.

9. सूक्ष्म उद्यमों से आप क्या समझते हैं?

**उत्तर:** वे उद्यम जिनमें संयंत्र एवं मशीनरी में निवेश 25 लाख रुपये तथा उपकरण में 10 लाख रुपये से अधिक नहीं होता, सूक्ष्म उद्यम कहलाते हैं।

**What do you mean by micro enterprises?**

**Ans:** Those enterprises in which the investment in plant and machinery does not exceed Rs 25 lakh and in equipment does not exceed Rs 10 lakh, are called micro enterprises.

10. भारत सरकार पिछड़े क्षेत्रों में ग्रामीण उद्योगों तथा कुटीर उद्योगों की स्थापना, वृद्धि एवं विकास पर जोर क्यों देती है?

**उत्तर:** क्योंकि ये उद्योग देश में रोजगार पैदा करते हैं और देश के संतुलित क्षेत्रीय विकास और निर्यात वृद्धि में योगदान देते हैं।

**Why does the Government of India lay emphasis on the establishment, growth and development of rural industries and cottage industries in backward areas?**

**Ans:** Because these industries create employment in the country and contribute to the country's balanced regional development and export growth.

### लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

1. व्यवसाय के आकार को मापने हेतु विभिन्न मापदण्ड

**क्या हैं?**

**उत्तर:** व्यवसाय के आकार को मापने के लिए उपयोग किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण मापदण्ड नीचे सूचीबद्ध हैं:

1. व्यवसाय में लगाई गई पूंजी
2. व्यवसाय द्वारा उत्पादित इकाइयों की संख्या
3. व्यवसाय द्वारा नियोजित व्यक्तियों की कुल संख्या
4. उत्पादित वस्तुओं के उत्पादन का मूल्य
5. व्यवसाय द्वारा उपभोग की जाने वाली बिजली

**What are the different parameters used to measure the size of a business?**

**Ans:** Some of the important parameters used to measure business size are listed below:

1. Capital invested in business
2. Number of units produced by the business
3. Total number of persons employed by the business
4. Value of production of goods produced
5. Electricity consumed by the business

**2. छोटे पैमाने के उद्योगों हेतु भारत सरकार द्वारा कौन सी परिभाषा प्रयुक्त की जाती है?**

**उत्तर:** भारत सरकार के अनुसार, लघु उद्योग वे उद्योग हैं जहां सेवाओं का विनिर्माण, प्रतिपादन और उत्पादन छोटे पैमाने पर किया जाता है। यहां निवेश एकमुश्त है और राशि करीब 1 करोड़ रुपये है। निवेश मशीनरी और संयंत्रों पर किया जाता है। हालांकि, कुछ निर्यातोन्मुख इकाइयाँ उत्पादन के लिए आधुनिक मशीनरी का उपयोग करती हैं और इसकी लागत 5 करोड़ तक जा सकती है।

**What is the definition used by the Government of India for small scale industries?**

**Ans:** According to the Government of India, small scale industries are those industries where manufacturing, rendering and production of services is done on a small scale. The investment here is lump sum and the amount is around Rs 1 crore. Investment is made on machinery and plants. However, some export-oriented units use modern machinery for production and its cost can go up to Rs 5 crore.

**3. एक गौण इकाई तथा एक अति-सूक्ष्म इकाई के बीच आप कैसे अन्तर्भेद करेंगे?**

**उत्तर:** गौण इकाई और अति सूक्ष्म इकाई के बीच अंतर

1. गौण इकाइयाँ वे हैं जो अपने उत्पाद का कम से कम 50 प्रतिशत अन्य उद्योगों को आपूर्ति करती हैं, जो उनकी मूल इकाई है। गौण इकाइयाँ अपनी मूल इकाई के लिए स्पेयर पार्ट्स का निर्माण, पार्ट्स को असेंबल करना और मध्यवर्ती उत्पादों आदि का निर्माण कर सकती हैं। इन गौण इकाइयों को उनकी मूल इकाई की निश्चित मांग का लाभ मिलता है। जबकि अति-सूक्ष्म

इकाई में ऐसा कुछ करने की आवश्यकता नहीं होती है।

2. गौण इकाइयों की परिभाषा में वे इकाइयाँ शामिल थीं जिनका संयंत्र और मशीनरी में निवेश 1 करोड़ रुपये तक था। अति-सूक्ष्म इकाई की परिभाषा में वे इकाइयाँ शामिल थीं जिनका संयंत्र और मशीनरी में निवेश 25 लाख रुपये तक था। और यदि वे सेवा प्रदान करने वाली इकाइयाँ हैं तो निवेश 10 लाख रुपये तक होना चाहिए।

**How would you differentiate between an ancillary unit and a tiny unit?**

**Ans:** Difference between a ancillary unit and a very tiny unit

1. Ancillary units are those which supply at least 50 percent of their product to other industries, which is their parent unit. Ancillary units can manufacture spare parts, assemble parts and manufacture intermediate products etc. for their parent unit. These Ancillary units get the benefit of fixed demand of their parent unit. Whereas in tiny units there is no need to do anything like this.

2. The definition of Ancillary units included those units whose investment in plant and machinery was up to Rs 1 crore. The definition of tiny units included those units whose investment in plant and machinery was up to Rs 25 lakh. and if they are service providing units then the investment should be up to Rs 10 lakh.

**4. कुटीर उद्योगों की विशेषताएँ बताइये।**

**उत्तर:** कुटीर उद्योगों की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. इन उद्योगों का स्वामित्व उन व्यक्तियों के पास है जिन्होंने इन इकाइयों में अपने संसाधनों का निवेश किया है।
2. इस प्रकार के उद्योगों में अधिक श्रमिक नहीं लगते, ये अधिकतर परिवार के सदस्यों द्वारा संचालित होते हैं।
3. कुटीर उद्योग को बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल अक्सर विशेष परिवारों में उपलब्ध होते हैं।
4. निवेशित पूंजी की मात्रा बहुत कम है।
5. उत्पादन तकनीक स्वदेशी है जिसके लिए श्रम-गहन कार्य की आवश्यकता होती है।
6. उत्पादन मुख्य रूप से स्वयं और परिवार के उपभोग के लिए होता है, जबकि इसका कुछ हिस्सा कुछ पैसे कमाने के लिए बाजार में बेच दिया जाता है।

**State the features of cottage industries.**

**Ans:** Following are the characteristics of cottage industries:

1. These industries are owned by individuals who have invested their resources in these units.

2. These types of industries do not require many workers, they are mostly run by family members.
3. The skills required to maintain a cottage industry are often available in particular families.
4. The amount of capital invested is very less.
5. The production technology is indigenous which requires labour-intensive work.
6. Production is mainly for self and family consumption, while some part of it is sold in the market to earn some money.

#### 5. नाबार्ड की दो विशेषताएँ बताइये

**उत्तर:** नाबार्ड की दो विशेषताएँ हैं:-

यह ऋण और गैर-ऋण दोनों दृष्टिकोणों का उपयोग करके लघु उद्योग, कुटीर और ग्राम उद्योगों और ग्रामीण कारीगरों को सहायता प्रदान करता है।

यह पेशेवर परामर्श और परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है, ग्रामीण उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण, विकास कार्यक्रम की व्यवस्था करता है।

#### Mention two characteristics of NABARD

**Ans:** NABARD has two characteristics:

It provides assistance to small scale industries, cottage and village industries and rural artisans using both credit and non-credit approaches.

It provides professional advisory and consultancy services, arranges training, development programs for rural entrepreneurs.

### दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

#### 1. छोटे पैमाने के उद्योग भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में किस प्रकार योगदान करते हैं?

**उत्तर:** लघु उद्योग निम्नलिखित तरीकों से सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान करते हैं:

1. भारत में उद्योगों का सबसे बड़ा हिस्सा लघु उद्योगों का है। यह कुल निर्यात का लगभग 45% हिस्सा है। कुछ सबसे प्रमुख लघु उद्योग रत्न और आभूषण, खेल के सामान, हस्तशिल्प आदि हैं।
2. लघु उद्योग कृषि के बाद सबसे अधिक लोगों को रोजगार देते हैं और निवेशित पूंजी के अनुसार रोजगार के अधिक अवसर भी पैदा करते हैं।
3. न्यूनतम पूंजी निवेश के साथ सरल उत्पादों का निर्माण, लघु उद्योगों द्वारा किये जाने से उस क्षेत्र के लोग लाभान्वित होते हैं और औद्योगिक विकास के संबंध में क्षेत्रीय असंतुलन को खत्म करने में मदद करते हैं।
4. तेजी से निर्णय लेने को सुनिश्चित करके यह

परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन को सक्षम बनाता है जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में वृद्धि होती है।

5. इसे शुरू करने के लिए बहुत कम पूंजी की आवश्यकता होती है, जिससे ईच्छुक नागरिकों को स्व-रोजगार बनने का साधन मिलता है।
6. लघु उद्योग ग्राहकों के लिए पसंद के अनुसार वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।

#### How do small scale industries contribute to the socio-economic development of India?

**Ans:** Small scale industries contribute to socio-economic development in the following ways:

1. The largest share of industries in India is made up of small scale industries. This accounts for about 45% of the total exports. Some of the most prominent industries are gems and jewellery, sports goods, handicrafts etc.
2. Small scale industries employ the largest number of people after agriculture and also create more employment opportunities according to the capital invested.
3. Manufacturing simple products with minimum capital investment, they benefit the people of the region and help eliminate regional imbalance with respect to industrial development.
4. By ensuring faster decision making it enables faster implementation of projects resulting in increased output.
5. It requires very little capital to start, providing a means for interested citizens to become self-employed
6. Custom-made products for customers looking for customized solutions.

#### 2. छोटे पैमाने के उद्योगों के सामने आने वाली समस्याओं की चर्चा कीजिए।

**उत्तर:** लघु उद्योगों को निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ता है:

1. इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले लोगों के लिए धन की कमी है क्योंकि निवेश ज्यादातर स्व-वित्तपोषित है और धन का अन्य स्रोत साहकारों या स्थानीय वित्तीय एजेंसियों या एजेंटों से हो सकता है।
2. छोटे उद्योगों को अक्सर वित्त की अनुपलब्धता के कारण कच्चे माल की कमी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में उचित आपूर्ति श्रृंखला और रसद की कमी के कारण कच्चे माल की कमी होती है जो उचित कामकाज में बाधा उत्पन्न करती है।
3. चूंकि मजदूरी कम है, वे अर्ध-कुशल श्रमिकों ही को काम पर रखने में सक्षम हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिभाशाली जनशक्ति की कमी होती है जो उनकी दक्षता को प्रभावित करती है।



4. लघु उद्योग धन की कमी के कारण विपणन पर महत्वपूर्ण खर्च करने में असमर्थ हैं
5. उत्पादों को बाज़ार में बेचने की ज़रूरत होती है और यह बिचौलियों की मदद से किया जाता है, जिससे मुनाफ़ा कम हो जाता है।
6. ऐसे कई लघु उद्योग हैं जो पुरानी और अप्रचलित मशीनरी का उपयोग करते हैं। इससे उत्पादकता कम हो जाती है और संचालन अव्यवहार्य हो जाता है।

**Discuss the problems faced by small scale industries.**

**Ans:** Small scale industries face the following problems:

1. There is a shortage of funds for people in this sector as the investment is mostly self-financed and other sources of funds can be from money lenders or local financial agencies or agents.
2. Small industries often face shortage of raw materials due to unavailability of finance. Moreover, lack of proper supply chain and logistics in rural areas leads to shortage of raw materials which hinders proper functioning.
3. Since wages are low, they are able to hire semi-skilled workers, resulting in shortage of talented manpower which affects their efficiency.
4. Small scale industries are unable to spend significantly on marketing due to lack of funds.
5. Products need to be sold in the market and this is done with the help of middlemen, which reduces profits.
6. There are many small scale industries which use old and obsolete machinery. This reduces productivity and makes operations unviable.

**3. छोटे पैमाने के क्षेत्र में वित्त एवं विपणन की समस्या को हल करने हेतु सरकार द्वारा क्या उपाय किये गये हैं?**

**उत्तर:** छोटे पैमाने पर व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए ये कुछ कदम हैं:

1. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना की ताकि ग्रामीण विकास को बढ़ावा दिया जा सके। यह संगठन मुख्य रूप से लघु उद्योगों, कुटीर उद्योगों और ग्रामीण उद्योगों को आसान और सस्ती ऋण सुविधा प्रदान करने में लगा हुआ है।
2. लघु उद्योगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद के लिए SIDBI या भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की स्थापना की गई थी।
3. वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज या WASME एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जो मध्यम और छोटे आकार के उद्यमों की समस्याओं का समाधान करने में

मदद करता है। इसने ग्रामीण उद्योगों की वृद्धि और विकास के लिए एक मॉडल तैयार करने के लिए ग्रामीण औद्योगीकरण के लिए एक समिति शुरू की है।

4. सरकार ने देश में छोटे व्यवसाय के विकास को बढ़ावा देने और सहायता करने के लिए 1955 में एनएसआईसी या राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम की स्थापना की।
5. एनसीईयूएस या असंगठित क्षेत्र में उद्यमों के लिए राष्ट्रीय आयोग का गठन सितंबर 2004 में लघु उद्योगों में सुधार और उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ किया गया था। यह असंगठित क्षेत्र में छोटे उद्यमों के सामने आने वाली समस्याओं को हल करने पर केंद्रित है।

**3. What measures has the government taken to solve the problems of finance and marketing in the small scale sector?**

**Ans:** These are some of the steps taken by the government to promote small scale business:

1. National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) was established to promote rural development. This organization is mainly engaged in providing easy and affordable credit facilities to small scale industries, cottage industries and rural industries.
2. SIDBI or Small Industries Development Bank of India was established to help provide financial assistance to small scale industries.
3. The World Association for Small and Medium Enterprises or WASME is an international non-governmental organization that helps solve the problems of medium and small-sized enterprises. It has launched a Committee for Rural Industrialization to prepare a model for the growth and development of rural industries.
4. The government established NSIC or National Small Industries Corporation in 1955 to promote and assist the development of small business in the country.
5. NCEUS or National Commission for Enterprises in the Unorganized Sector was formed in September 2004 with the primary objective of improving small scale industries and enhancing their global competitiveness. It focuses on solving the problems faced by small enterprises in the unorganized sector.